5. स्वराज्य की नींव

स्वाध्याय

1. एक-दो वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) रानी लक्ष्मीबाई की चिंता का क्या कारण था ?

- रानी लक्ष्मीबाई की चिंता का कारण था की बहुत प्रयत्न करने के बाद भी स्वराज्य उनके हाथ मे नही आ रहा था |

2) बाबा गंगादास ने रानी लक्ष्मीबाई से क्या कहा था ?

- बाबा गंगादास ने रानी लक्ष्मीबाई से कहा था की समाज मे छूआछूत, ऊंच-नीच और विलास प्रियता के होते हुए हमे स्वराज नही मिल सकता | स्वराज्य केवल सेवा, तापस्या और बलिदान से ही मिल सकता है |

3) रानी लक्ष्मीबाई ने क्या प्रतिज्ञा की थी ?

- रानी लक्ष्मीबाई ने झाँसी को फिर से जीत लेने की प्रतिज्ञा की थी |

4) जूही सेनापति तात्या का पक्ष क्यों लेती है ?

- जूही सेनापति तात्या का पक्ष लेती है, क्योकि वह उससे प्रेम करती है |

5) तात्या रानी लक्ष्मीबाई के सामने लज्जित क्यो हो उठे ?

- रानी लक्ष्मीबाई ने तात्या को 'सरदार' कहकर संबोधित किया | रानी के मुह से अपने लिए यह संबोधन सुनकर तात्या लज्जित हो उठे |

2. पाँच-छ: वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1) मार्ग में हिमालय अड़ने, डरावनी लहरों के थपेड़े मारने, नाविकों के सो जाने से क्या अभिप्राय है ?

- रानी लक्ष्मीबाई को अपनी प्यासी झाँसी शत्रुओ के हाथा में चले जाने का दु:ख है | स्वराज्य की मंजिल हर बार पास आकर दुर चली जाती है | रानी स्वराज्य को पास आते हुए देखती है, पर तभी हिमालय जैसी बांधाए उनके मार्ग मे आ जाती है | जब वे इन बाधाओ को पार करना चाहती है, तो देखती है की नाविक सो रहे है | ये नाविक है विलास मे डूबे हुए उनके साथी सेनापति तात्या, राव साहब, बाँदा के नवाब आदि |

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2) रानी लक्ष्मीबाई देशभक्ति की एक अदभूत मिसाल थी | समझाइए |

- रानी लक्ष्मीबाई हमारे इतिहास का एक अत्यत तेजस्वी चरित्र है | स्वराज्य ही उनका अंतिम लक्ष्य है | इसके लिए वे बड़े से बड़ा बलिदान दे सकती है | स्वराज्य की नींव बनाने मे ही वे जीवन की सार्थकता मानती है | उन्हे राग-रंग से सख्त नफरत है | उन्हे यही चिंता है की स्वराज्य के लिए लड़ रहे उनके सैनिको की वीरता कलंकित न होने पाए | सचमुच, रानी लक्ष्मीबाई देशभक्ति की एक अदभूत मिसाल थी |

3) 'स्वराज्य की नींव' शीर्षक कहां तक सार्थक है ? प्रस्तुत एकाँकी के लिए कोई अन्य शीर्षक दीजिए |

- सन् 1857 का सैनिक विद्रोह भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम माना जाता है | उसमें झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, जूही, मुंदर, तात्या टोपे, रामचन्द्र तथा रघुनाथराव आदि ने अपनी अनोखी देशभक्ति का परिचय दिया था | ये सब अपना बलिदान देकर स्वराज्य की नीव के पत्थर बन गए | बाद मे इस एकाँकी के पात्रो के न्याय, तपस्या और बलिदान की नीव पर ही भारत की आजादी की इमारत खड़ी हुइ | इसलिए इस एकाँकी का शीर्षक 'स्वराज की नींव' बिलकुल सार्थक है | इसके अन्य शीर्षक ये हो सकते है – 'स्वराज्य की आधारशिला' और 'आजादी के वे परवाने' |

4) प्रस्तुत एकांकी में से उन कथनों को छाँटिए जिससे पता चलता है कि युद्ध की छाया में भी राव साहब वैभव-विलास में डूबे हुए थे।

- जूही - जानती हूँ महारानी! हम विलासिता में डूब गए हैं।
- मुंदर - विलासिता में डूबे हैं राव साहब, बाँदा के नवाब, सेनापति तात्या।
- लक्ष्मीबाई - जूही ने उन्हें रोका है मुंदर। मैं जानती हूँ। जब राव साहब के लिए बुलाने इसे आए थे तो इसने उनको बुरी तरह दुत्कार दिया था।

3. आशय स्पष्ट कीजिए :

1) "स्वराज्य-प्राप्ति से बढ़कर स्वराज्य की स्थापना के लिए भूमि तैयार करना, स्वराज्य की नींव का पत्थर बनना |"

- इमारत बनाने के पहले उसके लिए उचित भूमि का चयन किया जाता है फिर मजबूत नींव रखी जाती है | नींव जितनी मजबूत होगी, इमारत भी उतनी ही मजबूत होगी | इसी तरह स्वराज्य पाने के लिए देश और समाज में उसके लिए वातावरण तैयार करना जरूरी है | यह वातावरण जनमानस को जगाकर ही तैयार किया जा सकता है | शहीदो के बलिदान जनमानस को आंदोलित करते है और लोगो में स्वराज्य पाने की भावना तीव्र बनती है |

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2) "शंकाए अविश्वास पैदा करेंगी और उस अविश्वास से उत्पन्न निराशा को दूर करने के लिए पायल की झंकार और भी झनक उठेगी |"

- राव साहब, बाँदा के नवाब आदि रानी के सहयोगी संकुचित दृष्टि के व्यक्ति थे | वे अपने-अपने स्वार्थ के लिए रानी लक्ष्मीबाई से जुड़े थे | उनमे न देशप्रेम था और न एक-दूसरे के प्रति विश्वास था | वे एक-दूसरे को शंका की दृष्टि से देखते थे | ऐसे मे स्वराज्य-स्थापना की बात उनमे परस्पर अविश्वास बढ़ा सकती थी | अविश्वास उनमे निराशा पैदा करता और फिर उससे उत्पन्न दु:ख दुर करने के लिए वे राग-रंग मे डूब जाते |

3) "दोस्त की ठोकर अविश्वास की खाई को और भी चौड़ा कर देती है ।"

- दोस्ती में एक-दूसरे पर विश्वास होता है। ऐसे में कोई धोखा दे तो दिल को गहरी चोट लगती है। गहरा विश्वास गहरे अविश्वास में बदल जाता है और फिर पहले जैसी दोस्ती नहीं रह सकती।

4. सही शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए :

1) स्वराज्य मिल सकता है, केवल सेवा, तपस्या और से । (बलिदान / युद्ध)

- स्वराज्य मिल सकता है, केवल सेवा, तपस्या और बलिदान से।

2) महासागर की डरावनी .....थपेड़े मारने लगती हैं। (लहरें / हवाएँ)

- महासागर की डरावनी लहरें थपेड़े मारने लगती हैं।

3) कौन कहता है कि हम ....में डूब गए हैं ? (विलासिता / तपस्या)

- कौन कहता है कि हम विलासिता में डूब गए हैं ?

4) मैं के लिए नाच सकती हूँ। (विजय / स्वराज्य)

- मैं स्वराज्य के लिए नाच सकती हूँ।

5) हमारी - कलंकित न होने पाए। (श्रेष्ठता / वीरता)

- हमारी वीरता कलंकित न होने पाए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. शब्दसमूह के लिए एक शब्द लिखिए :

1) धरती और आकाश के मिलने का स्थान - क्षितिज
2) निराशा या क्रोध में मुँह से निकलनेवाली श्वास - निश्वास
3) दही से बननेवाला एक व्यंजन - श्रीखंड
4) ब्राह्मणों को खिलाया जानेवाला भोज - ब्रह्मभोज
5) स्वामी के प्रति श्रद्धा रखनेवाला - स्वामिभक्त

6. उदाहरण के अनुसार शब्द बनाइए :

[उदा., राज्य - स्व + राज्य = स्वराज्य]

1) देश - स्व + देश = स्वदेश
2) भाव - स्व + भाव = स्वभाव
3) तंत्र - स्व + तंत्र = स्वतंत्र
4) जन - स्व + जन = स्वजन

7. उदाहरण के अनुसार शब्द बनाइए :

[उदा., सुन्दर - सुन्दरता – सौंदर्य]

1) शूर - शूरता - शौर्य
2) धीर - धीरता - धैर्य
3) उदार - उदारता - औदार्य
4) स्थिर - स्थिरता - स्थैर्य

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in